Bharat Temples

तुम हमारी थी मईया जी

तुम हमारी थी मईया जी, तुम हमारी हो,
तुम हमारी ही रहोगी, माँ मेरी अम्बे ll
हम तुम्हारे थे मईया जी, हम तुम्हारे है,
हम तुम्हारे ही रहेंगे, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,,

तुम्हे छोड़ कर, मईया प्यारी, कोई न मीत हमारा ll
किसके द्वार पे, जाएँ पुकारूँ, और न कोई सहारा
अब तो आ कर, बाँह पकड़ लो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,

तुमरे कारण, सब जग छोड़ा, तुम संग नाता जोड़ा ll
एक वार माँ, हँस कर कह दो, तूँ मेरी मैं तेरा
साँची प्रीत की, रीत निभा दो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,

दास की यह, बिनती सुन लीजे, ओ मेरी मईया प्यारी ll
आखिरी आस, यही जीवन की, पूर्ण करना हमारी
एक वार, ह्रदय से लगा लो, माँ मेरी अम्बे
तुम हमारी थी मईया जी,,,,,,,,,,,,
अपलोड कर्ता- अनिल भोपाल

Source:
https://www.bharattemples.com/tum-harmari-thi-maiya-ji-tum-hamari-ho-tum-hamari-hi-rahogi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw